DRAFT

National Education Policy-2020

Common Minimum Syllabus for all Uttarakhand State Universities and Colleges for First Three Years of Higher Education

PROPOSED STRUCTURE OF UG KUMAUNI BHASHA EVAM SAHITYA SYLLABUS

2021

Syllabus checked and modified by:

S.N.	Name	Designation	Department	Affiliation
1	PROF. KALPANANA PANT	PROFESSOR	HINDI	SHRIDEV SUMAN UNIVERSITY,RISHIKESH
2	PROF. CHANDRAKALA RAWAT	PROFESSOR	HINDI	DSB CAMPUS,KUMAUN UNIVERSITY,NAINITAL
3	PROF. NIRMALA DHAILA BORA	PROFESSOR	HINDI	DSB CAMPUS,KUMAUN UNIVERSITY,NAINITAL
4	PROF. SHIRISH KUMAR MOURYA	PROFESSOR	HINDI	DSB CAMPUS,KUMAUN UNIVERSITY,NAINITAL
5	PROF. JAGAT SINGH BISHT	PROFESSOR	HINDI	SOBAN SINGH JEENA, ALMORA UNIVERSITY
6	DR. PRITI ARYAA	ASSOCIATE PROFESSOR	HINDI	SOBAN SINGH JEENA, ALMORA UNIVERSITY
7	DR. AASHA SHAILY		HINDI	SOBAN SINGH JEENA, ALMORA UNIVERSITY

List of all Papers in Six Semester Semester-wise Titles of the Papers in KUMAUNI BHASHA EVAM SAHITYA					
Year	**Sem.**	**Course Code**	**Paper Title**	**Theory/ Practical**	**Credits**
Certificate Course in ARTS- KUMAUNI BHASHA EVAM SAHITYA					
FIRST YEAR	I		कुमाउनी व्याकरण (CORE COURSE)	Theory	6
	II		कुमाउनी साहित्य का इतिहास (CORE COURSE)	Theory	6
			कुमाउनी संस्कृति (ELECTIVE COURSE)	Theory	4
Diploma in ARTS - KUMAUNI BHASHA EVAM SAHITYA					
SECOND YEAR	III		कुमाउनी काव्य(प्रथम एवं द्वितीय चरण) (CORE COURSE)	Theory	6
			कुमाउनी कथा एवं नाटक साहित्य (CORE COURSE)	Theory	6
	IV		कुमाउनी लोकसाहित्य (ELECTIVE COURSE)	Theory	4
Bachelor of ARTS- KUMAUNI BHASHA EVAM SAHITYA					
THIRD YEAR	V		कुमाउनी काव्य(तृतीय चरण) (CORE COURSE)	Theory	5
			कुमाउनी निबंध एवं स्मारक साहित्य (CORE COURSE)	Theory	5
			कुमाउनी कोश कार्य (Research Project)	Theory	4
	VI		कुमाउनी शब्दावली,वाक्य संरचना एवं मानकीकरण (CORE COURSE)	Theory	5
			कुमाउनी भाषा और उसके विविध बोली रूप (CORE COURSE)	Theory	5
			कुमाउनी के बोली रूपों का सर्वेक्षण (Research Project)	Theory	4

COURSE INTRODUCTION

Programme outcomes (POs):

POs 1. भाषा भावों की अभिव्यक्ति का प्रमुख स्रोत है तो साहित्य मानवीय संवेदना की अभिव्यक्ति का। स्नातक स्तर पर कुमाउनी भाषा-साहित्य के चयन व अध्ययन से शिक्षार्थी भाषा- साहित्य के सांगोपांग महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है।

P0s2. शिक्षार्थी भारत की प्रमुख भाषा हिन्दी की पहाड़ी उपभाषा के अन्तर्गत मध्य पहाड़ी के एक रूप-कुमाउनी के अत्यंत समृद्ध रूप और उसके साहित्य के सम्पूर्ण स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करता है ।

P0s3. साहित्य के अध्ययन में विविध अनुशासनों के संबंध समाहित होते हैं, जैसे: ऐतिहासिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक व पर्यावरणीय । स्नातक में कुमाउनी भाषा- साहित्य का चयन शिक्षार्थी को इस दिशा में समग्रतः प्रशिक्षित करता है ।

P0s4. शिक्षार्थी कुमाउनी लोकसाहित्य के माध्यम से इसकी सभी प्रमुख विधाओं का ज्ञान प्राप्त करता है, जिससे उसमें रचनात्मकता का प्रस्फुटन एवं विकास होता है।

Programme specific outcomes (PSOs):
UG I Year / Certificate course Arts with कुमाउनी भाषा एवं साहित्य

Programe specific outcomes (Psos)

Psos1. नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत और भाषा साहित्य की नई उत्तर संरचनवादी पद्धतियों में क्षेत्रीय भाषाओं के अध्ययन का महत्व एवं शिक्षार्थी स्नातक प्रमाणपत्र कार्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विषय के रूप में कमाउनी भाषा के अध्ययन से कुमाउनी का परिचय एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है साथ-साथ कुमाउनी साहित्य के इतिहास की परंपरा का ज्ञान प्राप्त करता है।

Ps0s2. शिक्षार्थी कुमाउनी भाषी क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी प्राप्त करते हुए कुमाऊँ की ऐतिहासिक,धार्मिक,सामाजिक पृष्ठभूमि का ज्ञान प्राप्त करता है।

Ps0s3. शिक्षार्थी कुमाऊँ क्षेत्र में बोली जाने वाली विविध बोली रूपों का परिचय एवं उनके मध्य निहित अन्तर का ज्ञान प्राप्त करता है।

Psos4. शिक्षार्थी कुमाउनी के व्याकरणिक स्वरूप व इसकी विशिष्ट वर्णमाला का देवनागरी लिपि के माध्यम से रचनात्मक परिचय व सैद्धांतिक- व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Psos5. शिक्षार्थी कुमाउनी के भाषिक स्वरूप को समझने हेतु उसके शब्दों की रूपरचना व शब्द निर्माण की प्रक्रिया का ज्ञान प्राप्त करता है।

Pso6. शिक्षार्थी शिक्षा प्राप्ति में व्यवधान होने की स्थिति में भी कुमाउनी भाषा-साहित्य तथा अन्य विषयों के साथ स्नातक प्रमाणपत्र प्राप्त करेगा,जो उसे आजीविका प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगा।

Programme specific outcomes (PSOs):

UG II Year/ (Diploma in ARTS with कुमाउनी भाषा एवं साहित्य

1. शिक्षार्थी स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अंतर्गत मुख्य विषय के रूप में प्रारम्भिक कुमाउनी काव्य का परिचय प्राप्त करते हुए तत्कालीन सभी रचनाकारों के काव्य की वस्तु और शिल्प का परिचय प्राप्त करेगा।
2. शिक्षार्थी कुमाउनी के कथाकारों का परिचय प्राप्त करते हुए उनकी रचनाओं का परिचय एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेगा।
3. शिक्षार्थी कुमाउनी लोक साहित्य के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करते हुए इसकी सभी विधाओं का परिचय व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेगा।
4. शिक्षार्थी स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अंतर्गत कुमाउनी के स्मारक साहित्य का सामान्य परिचय व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेगा।
5. शिक्षार्थी कुमाउनी की भाषिक संरचना और व्याकरण का ज्ञान प्राप्त करेगा ।

Programme specific outcomes (PSOs): **UG III Year / Bachelor of ARTS with** ***कुमाउनी भाषा एवं साहित्य***	
PSO 1	शिक्षार्थी स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम के अंतर्गत अर्वाचीन कुमाउनी काव्य के अंतर्गत कुमाउनी काव्य धारा के तीसरे चरण के रचनाकारों की रचनाओं का परिचय प्राप्त करते हुए वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बदलते कथ्य और शिल्प का ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO2	शिक्षार्थी निबंध और उसके स्वरूप का परिचय प्राप्त करते हुए कुमाउनी के निबंधकारों और उनके द्वारा रचित निबंधों से सैद्धांतिक ज्ञान एवं परिचय प्राप्त करेगा।
PSO3	शिक्षार्थी गद्येतर साहित्य अर्थात स्मारक साहित्य की विधाओं जैसे-संस्मरण,यात्रासाहित्य,जीवनी,व्यंग्य ,साक्षात्कार और पत्र साहित्य इत्यादि का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करते हुए इनका परिचय प्राप्त करेगा ।
PSO4	शिक्षार्थी कुमाउनी शब्दावली एवं उसकी वाक्य संरचना एवं मानकीकरण का परिचय प्राप्त करते हुए उसका सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO5	शिक्षार्थी कुमाउनी भाषा के स्वरूप को समझते हुए कुमाऊँ क्षेत्र में बोले जाने वाले उसके विविध बोली रूपों का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेगा।

Year wise Structure of UG / BA
(CORE / ELECTIVE COURSES & PROJECTS)

Subject: KUMAUNI BHASHA EVAM SAHITYA

Course/ Entry –Exit Levels	Year	Sem.	Paper 1 Major Course	Credit	Paper 2 Minor Elective	Credit 4/5/6	Paper 3 Vocational	Credits /hrs	Research Project	Credit/	Total Credits /hrs/
Certificate Course In Arts	I	I	कुमाउनी व्याकरण	6	कुमाउनी संस्कृति	4					
		II	कुमाउनी साहित्य का इतिहास	6							
Diploma in Arts	II	III	कुमाउनी काव्य(प्रथम एवं द्वितीय चरण)	6	कुमाउनी लोकसाहित्य	4					
		IV	कुमाउनी कथा एवं नाटक साहित्य	6							
Bachelor of Arts	III	V	कुमाउनी काव्य(तृतीय चरण)	5					कुमाउनी कोश निर्माण	4	
			कुमाउनी निबंध एवं स्मारक साहित्य	5							

			कुमाउनी शब्दावली,वाक्य संरचना एवं मानकीकरण	5					कुमाउनी के बोली रूपों का सर्वेक्षण	4	
		VI	कुमाउनी भाषा और उसके विविध बोली रूप	5							
Comments											

Internal Assessment & External Assessment

Internal Assessment	**Marks 25**	**External Assessment**	**Marks 75**
नियतकार्य, समूहचर्चा, कक्षा सेमिनार, मौखिकी आदि		**लिखित परीक्षा**	

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: *Certificate Course in ARTS*	Year: I	Semester:I Paper-I
Subject: कुमाउनी भाषा एवं साहित्य		

Course Code:	Course Title: कुमाउनी व्याकरण

Course Outcomes:

1. . साहित्य की नई पद्धति में क्षेत्रीय भाषा के अध्ययन का महत्त्व बढ़ा है। कुमाउनी भाषा के अध्ययन से शिक्षार्थी कुमाऊँ और कुमाउनी भाषा का परिचय एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है ।

2 . शिक्षार्थी कुमाउनी के व्याकरणिक स्वरूप व इसकी विशिष्ट वर्णमाला का रचनात्मक परिचय व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

3. शिक्षार्थी कुमाउनी के भाषिक स्वरूप का सैद्धांतिक ज्ञान व परिचय प्राप्त करता है।

Credits: 6	Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	भाषा व्याकरण और भाषा अध्ययन में व्याकरण की उपयोगिता।	8

Unit II	कुमाउनी का व्याकरणिक स्वरूप : वर्णमाला, उच्चारण, वर्तनी तथा कुमाउनी अंक,कुमाउनी भाषा के लिए देवनागरी लिपि की उपयुक्तता।	14
Unit III	कुमाउनी का भाषिक स्वरूप: कुमाउनी शब्द रचना-उपसर्ग,प्रत्यय,समास,संधि।	20
Unit IV	शब्द विचार : शब्द और पद, कुमाउनी शब्दों की रूपरचना- (क) विकारी शब्द, संज्ञा, लिंग, वचन, कारक, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, काल। (ख) अविकारी (अव्यय) शब्द : क्रियाविशेषण, संबंधबोधक अव्यय, समुच्चयबोधक (योजक) अव्यय, विस्मयादि बोधक अव्यय।	20
Unit V	विराम चिह्न।	8
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total-90

Suggested Reading:

1. डॉ. भवानीदत्त उप्रेती- कुमाउनी भाषा का अध्ययन,कुमाउनी संस्कृति,कटरा,इलाहाबाद
2. डॉ. केशवदत्त रुवाली – 1. कुमाउनी हिन्दी व्युत्पत्ति कोश,ग्रंथायन अलीगढ़ 2. कुमाउनी भाषा एवं संस्कृति,अल्मोड़ा बुक डिपो
3. डॉ. सुरेश पंत – कुमाई (कुमाउनी) के क्रियापद: एक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन,सूर्यभर्ती प्रकाशन,नई सड़क,दिल्ली।
4. डॉ. शेरसिंह बिष्ट- 1 कुमाउनी (हिन्दी की सहभाषा),साहित्य अकादमी,नई दिल्ली 2 कुमाउनी भाषा और साहित्य का उद्भव एवं विकास,अंकित प्रकाशन,हल्द्वानी
5. डॉ. देवसिंह पोखरिया व डॉ. भगत सिंह – कुमाउनी भाषा का उद्भव और विकास और उसका भाषा वैज्ञानिक अध्ययन,अंकित प्रकाशन,हल्द्वानी।
6. डॉ. भवानीदत्त कांडपाल – कुमाउनी का संस्कृतमूलक व्याकरण,भाषा विज्ञान एवं साहित्य, उत्तराखंड संस्कृत अकादमी, हरिद्वार।

7. डॉ. डी. डी. शर्मा, A study of loan words in central Pahari; Panjab,Panjab university,chandigarh ।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

<table>
<tr><td colspan="3">CERTIFICATE COURSE IN UG</td></tr>
<tr><td colspan="2">Programme: Certificate Course in ARTS</td><td>Year: I</td><td>Semester:II
Paper-I</td></tr>
<tr><td colspan="4">Subject:
कुमाउनी भाषा एवं साहित्य</td></tr>
<tr><td>Course Code:</td><td colspan="3">Course Title:
कुमाउनी साहित्य का इतिहास</td></tr>
<tr><td colspan="4">Course Outcomes:
1. . साहित्य एक ऐसा माध्यम है जो किसी भी समाज व उसकी दशा-दिशा, गति, उद्वेलन आदि को सजीवता से चित्रित करता है। स्नातक स्तर पर शिक्षार्थी कुमाउनी भाषा साहित्य का अध्ययन करते हुए अपनी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, राजनीतिक और सामाजिक गत्यात्मकता की मूल्यपरक पहचान करता है ।
2. कुमाउनी साहित्य के इतिहास के क्रम में शिक्षार्थी कुमाऊँ के इतिहास का अध्ययन करता है। कुमाऊँ के इतिहास को पढ़ते हुए शिक्षार्थी कुमाऊँ की मूल जातियों, राजव्यवस्था, धर्म-कला आदि से लेकर आधुनिक काल/उत्तर काल तक के</td></tr>
</table>

वैचारिक परिदृश्य तक इस लंबी परम्परा का ज्ञान प्राप्त करता है। 3. शिक्षार्थी जहां उच्चशिक्षा में अध्ययन- अध्यापन हेतु अपना मार्ग तैयार करता है, वहीं नई शिक्षा नीति के तहत प्राइमरी स्तर पर अध्यापन हेतु आधारभूत ज्ञान तथा योग्यता भी प्राप्त करता है ।			
Credits: 6		**Core Compulsory**	
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100		**Min. Passing Marks: 10 +30 =40**	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	**Topic**		**No. of Lectures**
Unit I	कुमाउनी परिनिष्ठित साहित्य की ऐतिहासिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।		**10**
Unit II	कुमाउनी परिनिष्ठित साहित्य के इतिहास का काल विभाजन- 1. प्रारंभिक काल 2. मध्यकाल 3.आधुनिक काल		**20**
Unit III	प्रत्येक काल की साहित्यिक प्रवृत्तियां एवं विशेषताएं।		**20**
Unit IV	प्रत्येक काल की प्रमुख विधाएं ।		**10**
Unit V	प्रत्येक काल के प्रमुख रचनाकार।		**10**
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc		70 20 Total-90

Suggested Reading:

1. बद्री दत्त पांडे, कुमाऊँ का इतिहास, श्री अल्मोड़ा बुक डिपो ।
2. डॉ. त्रिलोचन पाण्डे- कुमाउनी भाषा और उसका साहित्य, उ० प्र० हिंदी समिति, लखनऊ।
3. डॉ. केशवदत्त रुवाली,कुमाउनी भाषा एवं संस्कृति, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा ।
4. डॉ. देवसिंह पोखरिया एवं डॉ. भगतसिंह कुमाउनी भाषा का उद्भव और विकास और उसका भाषा वैज्ञानिक अध्ययन, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
5. डॉ. शेरसिंह बिष्ट एवं डॉ. सुरेन्द्र जोशी, जनपदीय भाषा साहित्य,अंकित प्रकाशन,हल्द्वानी।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

CERTIFICATE COURSE IN UG			
Programme: ***Certificate Course in ARTS***		**Year: I**	**Semester:I** **Paper-elective**
Subject: कुमाउनी भाषा एवं साहित्य			
Course Code:	Course Title: कुमाउनी संस्कृति		

Course Outcomes: 1 शिक्षार्थी कुमाउनी संस्कृति के समग्र स्वरूप और महत्व का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है। 2 शिक्षार्थी संस्कृति को समझते हुए उसके बहुआयामी स्वरूप का व्यापक परिप्रेक्ष्य में ज्ञान प्राप्त करता है। 3 शिक्षार्थी कुमाउनी संस्कृति के विविध आयामों यथा- वर्ण व्यवस्था, जातिप्रथा, विविध संस्कार, लोक धर्म, देवी-देवता, पर्व- उत्सव-त्यौहार, लोकविश्वासों एवं अल्पना(ऐपण) कला का सामान्य परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 4. शिक्षार्थी कुमाउनी भाषा एवं उसकी संस्कृति का व्यापक ज्ञान प्राप्त करता है। 5. शिक्षार्थी कुमाउनी समाज एवं उसमें व्यवहृत संस्कृति का परिचय व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।	
Credits: 4	Elective Paper
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	**Min. Passing Marks: 10 +30 =40**
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0	

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
Unit I	संस्कृति की परिभाषा एवं स्वरूप	**03**
Unit II	सभ्यता एवं संस्कृति	**03**
Unit III	कुमाउनी संस्कृति के विविध आयाम- वर्ण व्यवस्था, जातिप्रथा, विविध संस्कार, लोक धर्म, देवी-देवता, पर्व-उत्सव एवं त्यौहार,अल्पना (ऐपण)कला , लोकविश्वास आदि।	**24**

Unit IV	कुमाउनी भाषा एवं संस्कृति।	**05**
Unit V	कुमाउनी समाज एवं संस्कृति।	**05**
Unit VI	न्यू मीडिया और कुमाउनी संस्कृति	**10**
Unit VII	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	50 10 Total-60

Suggested Reading:

1. डॉ. केशवदत्त रुवाली,कुमाउनी भाषा एवं संस्कृति, अल्मोड़ा बुक डिपो,अल्मोड़ा ।
1. डॉ. देव सिंह पोखरिया, कुमाउनी भाषा साहित्य एवं संस्कृति, अल्मोड़ा बुक डिपो,अल्मोड़ा।
2. डॉ. दिवा भट्ट, उत्तराखंड की सांस्कृतिक अभिव्यक्तियाँ, प्रकाश पब्लिकेशन,अल्मोड़ा ।
3. डॉ. गोविंद चातक, भारतीय लोक संस्कृति का संदर्भ - मध्य हिमालय, तक्षाशिला प्रकाशन,दरियागंज,दिल्ली ।
4. डॉ. प्रयाग जोशी,कुमाउनी लोकवार्ताएं, देवभूमि प्रकाशन,हल्द्वानी।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अन्य सभी विभाग एवं संकाय

<table>
<tr><td colspan="4">DIPLOMA COURSE IN UG</td></tr>
<tr><td colspan="2">Programme:Diploma Course in ARTS</td><td>Year: II</td><td>Semester:III
Paper-I</td></tr>
<tr><td colspan="4">Subject:

कुमाउनी भाषा एवं साहित्य</td></tr>
<tr><td>Course Code:</td><td colspan="3">Course Title:

कुमाउनी काव्य (प्रथम एवं द्वितीय चरण)</td></tr>
<tr><td colspan="4">Course Outcomes:

1. . शिक्षार्थी कुमाउनी काव्य के प्रारंभिक काल की कविता का ऐतिहासिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी कुमाउनी साहित्य परंपरा के प्रथम चरण के कवियों एवं उनके कृतित्व का तत्कालीन परिस्थितियों के आलोक में परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी कुमाउनी साहित्य परंपरा के द्वितीय चरण के कवियों एवं उनके कृतित्व का तत्कालीन परिस्थितियों के आलोक में परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।</td></tr>
<tr><td colspan="2">Credits: 6</td><td colspan="2">Core Compulsory</td></tr>
<tr><td colspan="2">Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100</td><td colspan="2">Min. Passing Marks: 10 +30 =40</td></tr>
<tr><td colspan="4">Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0</td></tr>
<tr><td>Unit</td><td colspan="2">Topic</td><td>No. of Lectures</td></tr>
<tr><td>Unit I</td><td colspan="2">कुमाउनी काव्य : परिचय एवं इतिहास ।</td><td>10</td></tr>
</table>

Unit II	प्रथम चरण (1800 ई.-1900 ई. तक) के कवि एवं उनकी रचनाएं	07
Unit III	द्वितीय चरण(1900 ई.-1950 ई. तक)के कवि एवं उनकी रचनाएं	08
Unit IV	व्याख्या हेतु संकलित कविताएं कहै गुमानी(कुमाउनी काव्य),गौरी दत्त पांडे 'गौर्दा'-हमरो कुमाऊँ,बचीराम पंत-हल,चारुचन्द्र पांडे,मैतैकि याद,शेरदा 'अनपढ़'-फस्की यार,आ हा रे सभा, बंशीधर पाठक 'जिज्ञासु'-कलजुगा तेरी जै!,श्रीमती देवकी महरा-पहाडै कुन्थी,पहाडै चेली,गोपालदत्त भट्ट-चिणंक ब्वैण छन,मथुरादत्त मठपाल- आङ्-आङ् चिचैल है गो !, हीरासिंह राणा-यौ तिरंगा मिलौ कफन,गिरीश तिवाड़ी 'गिर्दा'-हम लड़ते रुँलो,महेंद्र मटियानी -म्यार बखत्ाक लोग,राजेन्द्र बोरा- कौँ हराणी,जुगलकिशोर पेटशाली-चुप किलै हैरौछा,बलमसिंह जनोटी-संविधानकि पीड़,दामोदर जोशी 'देवांशु'-ज्वान जागि गो,रातनसिंह किरमोलिया-धुर जङोव बचौण छन,एम. डी. अंडोला -बौव,शेरसिंह बिष्ट-जिंदगिक दुख(प्रारंभ के 10 छंद),देवसिंह पोखरिया-ठाड़ ह्वेजा,जगदीश जोशी-जैङड़ी उज्याव	45
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total-90

Suggested Reading:

1 कहै गुमानी,संपादक- डॉ. उमा भट्ट,पहाड़ पोथी,नैनीताल-2010 (व्याख्या हेतु कुमाउनी काव्य)।

2 कुमाउनी काव्य संचयन,डॉ. चन्द्रकला रावत,देवभूमि प्रकाशन हल्द्वानी ।(व्याख्या हेतु चयनित काव्य)।

3 कुमाउनी कवियों का विवेचनात्मक अध्ययन, डॉ. नारायणदत्त पालीवाल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस।

4 कुमाउनी, शेरसिंह बिष्ट,साहित्य अकादमी,दिल्ली।

5 उत्तराखंड की सांस्कृतिक अभिव्यक्तियाँ, डॉ. दिवा भट्ट,प्रकाश पब्लिकेशन,अल्मोड़ा ।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

<table>
<tr><td colspan="3">DIPLOMA COURSE IN UG</td></tr>
<tr><td colspan="1">Programme:Diploma Course in ARTS</td><td>Year: II</td><td>Semester:IV
Paper-I</td></tr>
<tr><td colspan="3">Subject:
कुमाउनी भाषा एवं साहित्य</td></tr>
<tr><td>Course Code:</td><td colspan="2">Course Title:
कुमाउनी कथा एवं नाटक साहित्य</td></tr>
<tr><td colspan="3">Course Outcomes:
1. शिक्षार्थी कुमाउनी उपन्यास, कहानी तथा नाटक के उद्भव-विकास तथा महत्त्व का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से कुमाउनी कहानी के विकासक्रम, उनके विशिष्ट कथ्य तथा परिवर्तित होते शिल्प का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी ‘मेरि जड़’ उपन्यास के अध्ययन से कुमाउनी समाज की सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक संरचना का साक्षात्कार करते हुए बदलती जीवन- स्थितियों को समझने की वैचारिक पद्धति का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटक ‘सुरजू कुँवर’ के अध्ययन से कुमाउनी नाट्यलेखन के विकास, उसके शिल्पगत वैशिष्ट्य, नाटक के ऐतिहासिक सामाजिक अभिप्रायों तथा रंगमंच विधा का ऐतिहासिक परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।</td></tr>
</table>

Credits: 6			Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100			Min. Passing Marks: 10 +30 =40
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	**Topic**	**No. of Lectures**	
Unit I	कुमाउनी के प्रमुख कथाकार : परिचय एवं रचनाएं	**10**	
Unit II	कुमाउनी कहानी का उद्भव एवं विकास	**10**	
Unit III	कुमाउनी कहानी संचयन	**10**	
Unit IV	कुमाउनी उपन्यास का उद्भव एवं विकास	**10**	
Unit V	उपन्यास: 'मेरी जड़'	**10**	
Unit VI	नाटक: विधागत स्वरूप एवं उद्भव	**10**	
Unit VII	नाटक: 'सुरजू कुँवर'	**10**	
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion	70 20 Total-90	

	etc	

Suggested Reading:

1 मेरि जड़ (उपन्यास) श्यामसिंह कुटौला, सूरी पनार समिति, अल्मोड़ा।

2 कुमाउनी कहानी संचयन, संपा0 डॉ0 प्रीति आर्या, अंकित प्रकाशन हल्द्वानी।

3 सूरजू कुँवर (नाटक) त्रिभुवन गिरि, उत्तरायण कम्प्यूटर्स, अल्मोड़ा।

'सूरजू कुंवर'(नाटक) से केवल 'अजुवा बफौल' नाटक से ही व्याख्या पूछी जाएगी।)

4 कुमाउनी, शेर सिंह बिष्ट, साहित्य अकादमी,दिल्ली।

<table>
<tr><td colspan="3">DIPLOMA COURSE IN UG</td></tr>
<tr><td colspan="1">Programme: Diploma Course in ARTS</td><td>Year: II</td><td>Semester:III
Paper-elective</td></tr>
<tr><td colspan="3">Subject:
कुमाउनी भाषा एवं साहित्य</td></tr>
<tr><td>Course Code:</td><td colspan="2">Course Title: कुमाउनी लोकसाहित्य</td></tr>
<tr><td colspan="3">Course Outcomes:
1 प्रत्येक समाज/राष्ट्र की एक लोक परम्परा होती है। वैश्विक स्तर पर लोक साहित्य की महत्ता असंदिग्ध है इसीलिए विश्वविद्यालयों में इसके पृथक विभाग स्थापित किए गए हैं। लोक साहित्य के अध्ययन से शिक्षार्थी उस मूल लोक परम्परा के अर्थ, स्वरूप और महत्त्व का परिचय तथा सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।</td></tr>
</table>

2. शिक्षार्थी लोक साहित्य के विविध सैद्धांतिक पक्षों का ज्ञान प्राप्त करता है ।

3. शिक्षार्थी लोक साहित्य के विविध रूपों का परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

4. शिक्षार्थी लोक साहित्य के शोध का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4	Elective Paper
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	**Min. Passing Marks: 10 +30 =40**
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0	

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
Unit I	लोक साहित्य एवं लोकवार्ता	04
Unit II	कुमाउनी लोक साहित्य : परिचय	04
Unit III	कुमाउनी वाचिक साहित्य की परंपरा	04
Unit IV	कुमाउनी लोक साहित्य का वर्गीकरण: लोकगाथा, लोककथा, लोकनाट्य, लोकगीत तथा प्रकीर्ण विधाएं।	08

Unit V	कुमाउनी वाचिक साहित्य से व्याख्या अंश	**15**
Unit VI	कुमाउनी लोकगीत से व्याख्या अंश	**15**
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	50 10 Total-60

Suggested Reading:

1 कुमाउनी वाचिक साहित्य,(सं.) डॉ. शेरसिंह बिष्ट, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी। (व्याख्या अंश)

2 कुमाउनी लोकगीत-(सं.) डॉ. देवसिंह पोखरिया, मध्यप्रदेश आदिवासी लोककला परिषद, भोपाल।(व्याख्या अंश)

3 लोक साहित्य विज्ञान, डॉ. सत्येंद्र- लोक साहित्य विज्ञान, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

4. (1) कुमाऊँ का लोकसाहित्य, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा (2) कुमाउनी लोक साहित्य की पृष्ठभूमि डॉ. त्रिलोचन पांडे

5 कुमाऊँ का लोक साहित्य,डॉ. कृष्णानंद जोशी- प्रकाश बुक डिपो, बरेली।

6 कुमाउनी लोक काथ, डॉ. प्रभा पंत।

7 हम और हमारा कुमाऊँ-लोकसाहित्य एवं लोकसंस्कृति,डॉ. प्रभा पंत,आधार प्रकाशन,हल्द्वानी।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अन्य सभी विभाग एवं संकाय

DEGREE COURSE IN UG		
Programme: *Degree Course in ARTS*	**Year: III**	**Semester: V** **Paper-I**

Subject:

कुमाउनी भाषा एवं साहित्य

Course Code:	**Course Title:** **कुमाउनी काव्य (तृतीय चरण)**

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी कुमाउनी काव्य के तृतीय चरण की कविता का ऐतिहासिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी कुमाउनी साहित्य परंपरा के तृतीय चरण के कवियों के कृतित्व का तत्कालीन परिस्थितियों के आलोक में सैद्धांतिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।

Credits: 5	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	**Min. Passing Marks: 10 +30 =40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	तृतीय चरण(1950 ई. से अब तक) के कवियों का परिचय	**15**

Unit II	तृतीय चरण (1950 ई. से अब तक) का कुमाउनी काव्य	30
Unit III	जयबाला गोरिया	20
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total-75

Suggested Reading:

1 तृतीय चरण के कवियों के परिचय एवं काव्य के अध्ययन हेतु 'अर्वाचीन कुमाउनी काव्य' नाम से एक पुस्तक का सम्पादन प्रो. चन्द्रकला रावत(विभागाध्यक्ष)हिन्दी विभाग,कुमाऊँ विश्वविद्यालय,नैनीताल एवं डॉ. नवीन जोशी 'नवेंदु' करेंगे ।

2 जयबाला गोरिया- जुगल किशोर पेटशाली,तक्षशिला प्रकाशन,नई दिल्ली।

<table>
<tr><td colspan="3">DEGREE COURSE IN UG</td></tr>
<tr><td colspan="2">Programme: Degree Course in ARTS</td><td>Year: III</td><td>Semester: V
Paper-II</td></tr>
<tr><td colspan="4">Subject:
कुमाउनी भाषा एवं साहित्य</td></tr>
<tr><td>Course Code:</td><td colspan="3">Course Title:
कुमाउनी निबंध एवं स्मारक साहित्य</td></tr>
<tr><td colspan="4">Course Outcomes:
1 शिक्षार्थी निबंध विधा के स्वरूप,प्रकार और महत्व का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी कुमाउनी में निबंध विधा के उद्भव एवं विकास का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।</td></tr>
</table>

3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित निबंधों के अध्ययन से निबंध की शैलियों तथा विधा का वैचारिक व रचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

4. शिक्षार्थी स्मारक साहित्य के स्वरूप, उसकी विभिन्न विधा तथा महत्व का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

5. शिक्षार्थी निबंध तथा स्मारक साहित्य की समीक्षा का ज्ञान तथा प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 5	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	**Min. Passing Marks: 10 +30 =40**
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0	

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
Unit I	निबंध की परिभाषा, विधागत स्वरूप,उद्भव एवं विकास	02
Unit II	कुमाउनी के प्रमुख निबंधकार एवं उनका परिचय	06
	व्याख्या हेतु निबंध -एक घड़ी आफुण दगड़, एक विद्यालय यो लै, आजदीकि पछ्याण, समाज निर्माण में साहित्यिक भूमिका, कुमाउँकि पछ्याण कुमाउनी, कुमाउँनी भाषा कें अठूँ अनुसूची में शामिल हुण चैं, भारतीय संविधान और धर्मनिरपेक्षता, कुमाउँकि लोक कला: ऐपण, शिक्षा क्षेत्र में सुधार जरूरी,जड़ बटी हो भाषाक् सज-समाव । **द्रुत पाठ हेतु निबंध** -गुमानि ज्यूक याद में, मोहिल कत्यूर,हमरि जागर वार्ता और उनरि ऐतिहासिकता,भौत हैगे उगार कटै,कुमाउँनी कसिक लेखी जै?, 'जागर' न्है हरेक मर्ज कि औंखत	25

Unit III	स्मारक साहित्य: अर्थ एवं स्वरूप एवं प्रमुख विधाएं	05
Unit IV	प्रमुख स्मारक साहित्यकार एवं उनका परिचय	06
Unit V	**स्मारक साहित्य की प्रतिनिधि रचनाएं**-संस्मरण- एक छी नान दा- डॉ. दिवा भट्ट,यात्रा वृतांत-शिखर सागर-महेंद्र मटियानी, आत्मकथा-आत्मकथा अंश-मोहन राम टम्टा,रेखाचित्र-नेवला-शेखर जोशी,साक्षात्कार- कबूतरी देवी-डॉ. पवनेश ठकुराड़ी,रिपोर्ताज-थारु और बुक्सा भारोपीय परिवारकि भाषा छन -प्रो. देव सिंह पोखरिया, पत्र साहित्य- मथुरादत्त मठपाल,जीवनी- विक्टर मोहन जोशी-जी. सी. जोशी 'गिरीश',फीचर-कातिक महैण: देव जागरणक बखत,व्यंग्य- ब्या छै या किरकिट मैच- हेमंत बिष्ट ।	21
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total-75

Suggested Reading:

1 बोलिक् सज समाव (सामूहिक निबंध संग्रह) संपादक-दामोदर जोशी 'देवांशु' (व्याख्या एवं द्रुत पाठ हेतु उपर्युक्त चयनित निबंध) ।

2 'कुमाउनी स्मारक साहित्य' नाम से एक पुस्तक का सम्पादन डॉ. प्रीति आर्या,एसोशीएट प्रोफेसर,सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय,अल्मोड़ा करेंगी।

<table>
<tr><td colspan="4">DEGREE COURSE IN UG</td></tr>
<tr><td colspan="2">Programme: Degree Course in ARTS</td><td>Year: III</td><td>Semester: V
Paper-project</td></tr>
<tr><td colspan="4">Subject:
कुमाउनी भाषा एवं साहित्य</td></tr>
<tr><td>Course Code:</td><td colspan="3">Course Title:
कुमाउनी कोश निर्माण</td></tr>
<tr><td colspan="4">Course Outcomes:
1 शिक्षार्थी लघु शोध प्रबंध के माध्यम से कोश निर्माण प्रक्रिया का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।
2 शिक्षार्थी लघुशोध प्रबंध के माध्यम से कुमाउनी में हुए अद्यतन कोश कार्यों का ज्ञान प्राप्त करता है।</td></tr>
<tr><td colspan="2">Credits: 4</td><td colspan="2">Project</td></tr>
<tr><td colspan="2">Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100</td><td colspan="2">Min. Passing Marks: 10 +30 =40</td></tr>
<tr><td colspan="4">Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0</td></tr>
<tr><td>Unit</td><td colspan="2">Topic</td><td>No. of Lectures</td></tr>
<tr><td>Unit I</td><td colspan="2">कोश निर्माण की प्रक्रिया और अद्यतन प्रकाशित कुमाउनी कोश।</td><td>60</td></tr>
<tr><td></td><td colspan="2">Class Room Lectures
Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc</td><td>Total-60</td></tr>
</table>

Suggested Reading:

1 कुमाउनी-हिन्दी व्युत्पत्ति शब्दकोश,प्रो. केशव दत्त रुवाली

2 कुमाउनी-हिन्दी शब्दकोश, प्रो. केशव दत्त रुवाली श्री अल्मोड़ा बुक डिपो
3 मानक कुमाउनी कोश, प्रो. केशव दत्त रुवाली
4 कुमाउनी-हिन्दी शब्दकोश,डॉ. नारायण दत्त पालीवाल
5 हिन्दी-अंग्रेजी-कुमाउनी शब्द कोश,डॉ. शेर सिंह बिष्ट,श्री अल्मोड़ा बुक डिपो
6 कुमाउनी गुजराती मराठी समस्त्रोतीय-समानार्थी शब्दकोश, डॉ. चन्द्रकला रावत-वितरक,कंसल बुक डिपो
7 झिकक्ल-काम्ची-उडायली(उत्तराखंड की भाषाओं का व्यावहारिक शब्दकोश),संपादक- उमा भट्ट,चन्द्रकला रावत।
8 हिन्दी-कुमाउनी अध्येता कोश, संपादक- नन्द किशोर पांडे,केन्द्रीय हिन्दी संस्थान,आगरा

DEGREE COURSE IN UG		
Programme: ***Degree Course in ARTS***	**Year: III**	**Semester: VI Paper-I**
Subject: **कुमाउनी भाषा एवं साहित्य**		
Course Code:	**Course Title:** **कुमाउनी शब्दावली,वाक्य संरचना एवं मानकीकरण**	
Course Outcomes: 1. शिक्षार्थी कुमाउनी की भाषिक संरचना का विस्तृत रचनात्मक परिचय एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2. शिक्षार्थी रचना, इतिहास व अर्थ के आधार पर कुमाउनी शब्दावली के वर्गीकरण का रचनात्मक का परिचय व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है। 3. शिक्षार्थी कुमाउनी वाक्य- रचना और उसके विविध प्रकारों का विस्तृत परिचय और सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है। 4. शिक्षार्थी मानकीकरण को समझते हुए उसके आलोक में कुमाउनी भाषा के मानकीकरण की समस्या से रूबरू होकर		

उसके समाधान का सैद्धांतिक ज्ञान व परिचय प्राप्त करता है।			
Credits: **5**		**Core Compulsory**	
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100		**Min. Passing Marks: 10 +30 =40**	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	**Topic**	**No. of Lectures**	
Unit I	कुमाउनी शब्दावली: शब्दों का वर्गीकरण- रचना के आधार पर, इतिहास के आधार पर, अर्थ के आधार पर ।	20	
Unit II	वाक्य: परिभाषा,कुमाउनी वाक्य रचना ,वाक्यभेद,वाक्य विश्लेषण,वाक्य संश्लेषण,सामान्य अशुद्धियाँ,शुद्ध वाक्य,कुमाउनी वाक्यों के विशिष्ट प्रकार।	15	
Unit III	कुमाउनी भाषा का मानकीकरण: समस्या और समाधान, मानकीकृत कुमाउनी भाषा में गद्य का नमूना ।	15	
Unit IV	कुमाउनी कहावतें, मुहावरे एवं पहेलियाँ (आण) ।	15	
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total-75	

Suggested Reading:

1 भाषा एवं संस्कृति, डॉ केशवदत्त रुवाली कुमाउनी अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।

2 कुमाउनी भाषा का उद्भव और विकास और उसका भाषा वैज्ञानिक अध्ययन, डॉ० देवसिंह पोखरिया एवं डॉ० भगतसिंह अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।

3 (1) कुमाउनी (हिंदी की सहभाषा), साहित्य अकादेमी नई दिल्ली (2) कुमाऊँ हिमालय की बोलियों का सर्वेक्षण,इंडियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स,

दिल्ली (3) उत्तरांचल : भाषा एवं साहित्य का संदर्भ, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली, डॉ० शेरसिंह बिष्ट ।

4 कुमाउनी का संस्कृतमूलक व्याकरण, भाषा विज्ञान एवं साहित्य, डॉ० भवानीदत्त काण्डपाल- उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी, हरिद्वार।

5 कुमाउनी गुजराती मराठी समस्रोतीय-समानार्थी शब्दकोश, डॉ. चन्द्रकला रावत, वितरक -कंसल बुक डिपो

<table>
<tr><td colspan="4">DEGREE COURSE IN UG</td></tr>
<tr><td colspan="2">Programme: Degree Course in ARTS</td><td>Year: III</td><td>Semester: VI
Paper-II</td></tr>
<tr><td colspan="4">Subject:
कुमाउनी भाषा एवं साहित्य</td></tr>
<tr><td>Course Code:</td><td colspan="3">Course Title:
कुमाउनी भाषा और उसके विविध बोली रूप</td></tr>
<tr><td colspan="4">Course Outcomes:
1. भाषा और साहित्य की उत्तरसंरचनावादी पद्धति में क्षेत्रीय भाषाओं के अध्ययन का महत्व बढ़ा है। कुमाउनी भाषा के अध्ययन से शिक्षार्थी कुमाऊँ और कुमाउनी भाषा का परिचय एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

2. नई शिक्षा नीति-2020 के तहत क्षेत्रीय भाषाओं का महत्त्व सर्वविदित है। कुमाउनी भाषा के अध्ययन से शिक्षार्थी सरकारी/ गैरसरकारी क्षेत्रों में रोजगार के नए और समृद्ध अवसर प्राप्त कर सकता है।

3 शिक्षार्थी कुमाउनी भाषी क्षेत्र की भौगोलिक व सांस्कृतिक जानकारी प्राप्त करते हुए कुमाउनी के विविध रूपों का परिचय एवं उनके मध्य निहित अंतर का ज्ञान प्राप्त करता है।

4 शिक्षार्थी कुमाउनी तथा हिन्दी के पारस्परिक आदान-प्रदान को समझते हुए हिन्दी को कुमाउनी द्वारा दिए गए योगदान का परिचय प्राप्त करता है।</td></tr>
</table>

5 शिक्षार्थी कुमाउनी व अन्य पहाड़ी भाषाओं के पारस्परिक संबंध को समझते हुए उनके मध्य शब्द व संरचनागत आदान-प्रदान का परिचय एवं व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 5	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	**Min. Passing Marks: 10 +30 =40**
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0	

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
Unit I	कुमाउनी भाषा : 'कुमाऊँ' शब्द की व्युत्पत्ति: विभिन्न मत,कुमाउनी शब्द की मानक वर्तनी। कुमाऊँ की पृष्ठभूमि- ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, धार्मिक पृष्ठभूमि, भौगोलिक पृष्ठभूमि, सामाजिक पृष्ठभूमि, कुमाउनी भाषी क्षेत्र	20
Unit II	कुमाउनी की विविध बोलियां- कुमाउनी बोलियों का सामान्य परिचय, भाषिक विशेषताएं, पश्चिमी तथा पूर्वी कुमाउनी का तुलनात्मक अध्ययन-साम्य-वैषम्य,बोली-विभेद,कुमाउनी बोलियों के भाषाई नमूने,कुमाउनी शब्द- सामर्थ्य।	15
Unit III	कुमाउनी तथा हिन्दी का पारस्परिक आदान-प्रदान,हिन्दी को कुमाउनी का योगदान।	15
Unit IV	कुमाउनी तथा अन्य पहाड़ी भाषाओं का पारस्परिक संबंध-कुमाउनी-गढ़वाली,कुमाउनी-नेपाली	15
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total-75

Suggested Reading:

1. कुमाउनी भाषा एवं संस्कृति, डॉ. केशवदत्त रुवाली, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
2. कुमाउनी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति, डॉ. देवसिंह पोखरिया , अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
3. कुमाउनी भाषा का अध्ययन, डॉ. भवानीदत्त उप्रेती- कुमाउनी संस्कृति,कटरा,इलाहाबाद
4. कुमाउनी गुजराती मराठी समस्रोतीय-समानार्थी शब्दकोश, डॉ. चन्द्रकला रावत, वितरक -कंसल बुक डिपो ।

<table>
<tr><td colspan="4">DEGREE COURSE IN UG</td></tr>
<tr><td colspan="2">Programme: Degree Course in ARTS</td><td>Year: III</td><td>Semester: V
Paper-project</td></tr>
<tr><td colspan="4">Subject:
कुमाउनी भाषा एवं साहित्य</td></tr>
<tr><td>Course Code:</td><td colspan="3">Course Title:
कुमाउनी के बोली रूपों का सर्वेक्षण</td></tr>
<tr><td colspan="4">Course Outcomes:
1 शिक्षार्थी कुमाऊँ के अंतर्गत कुमाउनी भाषी क्षेत्र का परिचय प्राप्त करता है।
2 शिक्षार्थी कुमाऊँ क्षेत्र के अंतर्गत बोली जाने वाली कुमाउनी भाषा के विविध बोली रूपों का परिचय एवं सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।</td></tr>
<tr><td colspan="2">Credits: 4</td><td colspan="2">Project</td></tr>
<tr><td colspan="2">Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100</td><td colspan="2">Min. Passing Marks: 10 +30 =40</td></tr>
<tr><td colspan="4">Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0</td></tr>
<tr><td>Unit</td><td colspan="2">Topic</td><td>No. of Lectures</td></tr>
<tr><td>Unit I</td><td colspan="2">कुमाउनी के बोली रूपों का सर्वेक्षण</td><td>60</td></tr>
</table>

	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	Total-60

Suggested Reading:

1 Linguistic Survey of India, Sir George Grierson
2 भारतीय भाषा लोक सर्वेक्षण, संपादक-प्रो. जी एन देवी,BHASHA RESEARCH AND PUBLICATION CENTRE,VADODARA
3 पहाड़ी भाषाओं पर, डॉ. सुरेश पंत।
4 कुमाउनी भाषा और उसका साहित्य, डॉ. त्रिलोचन पांडे
5 कुमाउनी भाषा, प्रो. केशव दत्त रुवाली
6 कुमाउनी बोलियों का सर्वेक्षण, डॉ शेर सिंह बिष्ट